# हिमालया कॉलिंग ग्लोबल समिट आयोजित

## यूपीईएस में हिमालय के पर्यावरण को बचाने के लिए की चर्चा

dehradun@inext.co.in

**DEHRADUN (12 Sep):** यूपीईएस ने हिमालया कॉलिंग ग्लोबल समिट ऑन चैलेंजेस एंड ऑपर्च्युनिटीज इन द हिमालयन रीजन का सफल आयोजन किया. यह तीन दिवसीय सम्मेलन 9 से 11 सितंबर तक चला, जिसमें कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए. इसके अलावा हिमालय की कमजोर होती पारिस्थितिकी पर केंद्रित प्रदर्शनी और फोटोग्राफी का प्रदर्शन भी हुआ. सम्मेलन में 170 से अधिक विशेषज्ञ, विचारक और पर्यावरणविद शामिल हुए, जिन्होंने 18 सत्रों में भाग लिया. इन सत्रों में हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और संरक्षण के उपायों पर गहन चर्चा की गई.

यूपीईएस में हिमालय बचाने को लेकर चर्चा करते एक्सपर्ट्स.

### हिमालय स्थिरता के महत्व पर जोर

सम्मेलन की शुरुआत हिमालयन एनवायरमेंट संरक्षण की जरूरत विषय पर डॉ. शैलेश नायक के मुख्य संबोधन से हुई. डॉ. नायक टीईआरआई के चांसलर और भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के पूर्व सचिव भी रह चुके हैं. जिन्होंने हिमालय में स्थिरता के महत्व पर जोर दिया. सम्मेलन में हिमालयन इंस्टिट्यूट फॉर लर्निंग एंड लीडरशिप के डॉ. जीतेंद्र के. पांडे ने हिमालय की पारिस्थितिकी के महत्व की ओर दुनिया का ध्यान खींचने की दिशा में एक बड़ा कदम है. हम ऐसी चर्चाओं को बढ़ावा दे रहे हैं. जिनका उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए रास्ता निकालना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को इस क्षेत्र की अद्वितीय सुंदरता और संसाधनों का लाभ मिलता रहे.